कृष्ण – एक रिश्ता गुरु

रिश्ता जब सूरज की तरह होता है,

तब इसमें देन के सिवा कुछ नही होता (मीरा व कृष्ण)

रिश्ता जब की जमीन तरह होता है,

तब इसमें देन के वापसी की कोई सीमा नही (कृष्ण व सुदामा)

रिश्ता जब की पानी तरह होता है,

तब इसमें निर्मल बहार समायी होती है (राधा व कृष्ण)

रिश्ता जब की हवा तरह होता है,

तब इसमें पूरी जिंदगी समायी होती है (कृष्ण व अर्जुन)

रिश्ता जब की आभा तरह होता है,

तब इसमें पूरा पल समाया होता है (कृष्ण व द्रोपदी)

रिश्ता जब की वक्त तरह होता है,

तब इसके आयु की कोई सीमा नही होती (कृष्ण व भक्त)

रिश्ता जब की निसर्ग तरह होता है,

तब इसमें हर पल बदल होता है (कृष्ण व दुर्योधन)

रिश्ता जब की ईश्वर तरह होता है,

तब इसमें सिर्फ नाम समाया होता है (कृष्ण व गोपिया)